

यीशु मसी पाणि माइं आन्डै



bangani

यीशु मसी पाणि माइं आन्डै

bangani
uttarkashi, uttrakhand, india



For permission to reuse, contact the copyright holder.

Bangani Language Book
Red level book

परकाशण:-

NLCI

बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें यीशु मसीह पानी के ऊपर किस प्रकार चलते हैं, उसके बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



एक दूस यीशुइ आपडै चेलौउं आरि
बोलौ। आओ आमैं झील दि पारै
डेइ। तैबै यीशु चेलौउं रै साथै झील
दि पारै डेन्दै लागौ।



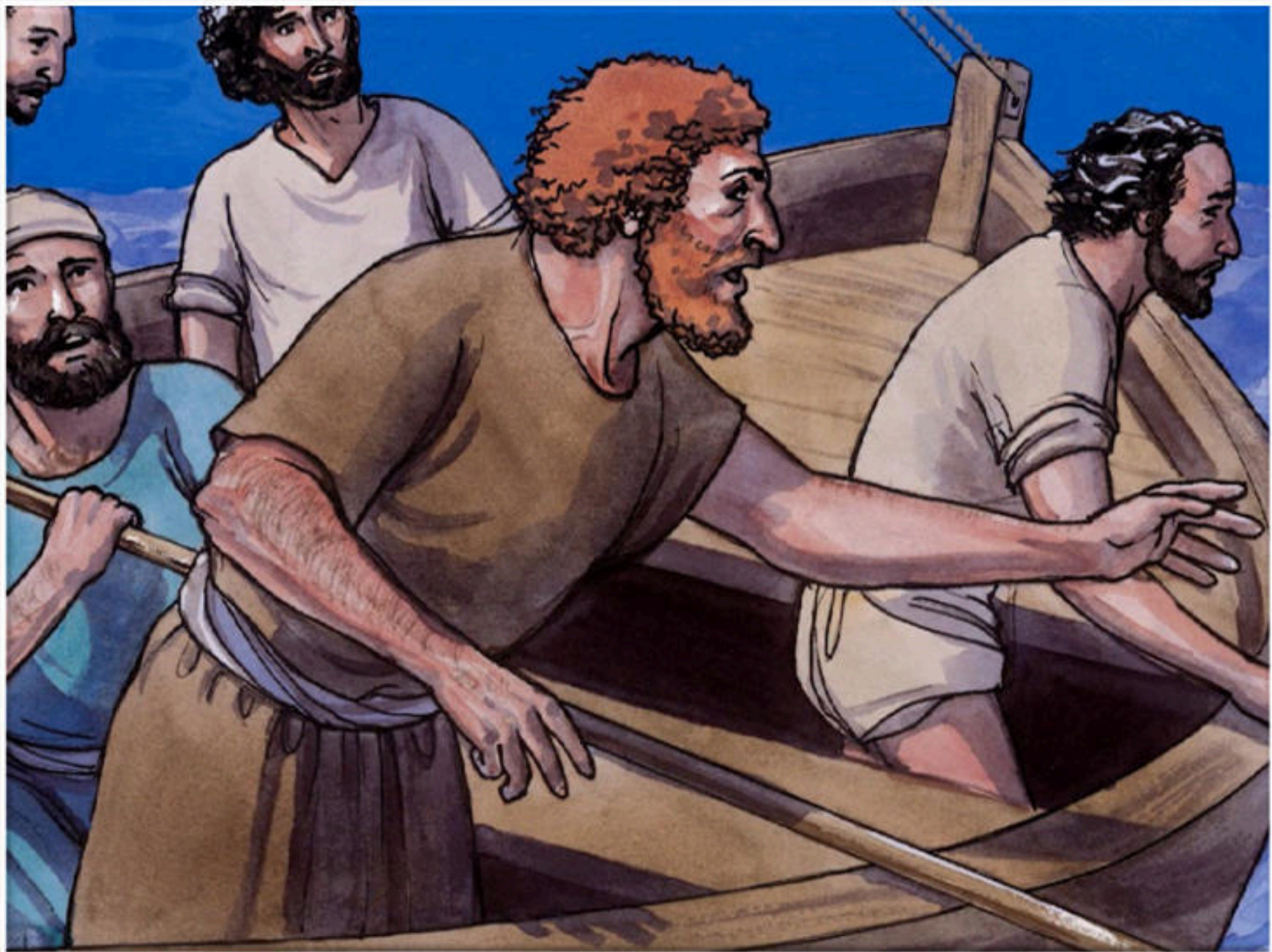
यीशु नाउ दि पालिपौशै डेइयौ सुती
रौ। तैबै चेलै नाउ दि थै, औज़ि झील
दि तुफान आओ। औज़ि नाउ पाणि रै
ज़ोकै कौइ रेकान्दि रौइ थी लागी।



चेलौउं यीशु उबै बिज़ाळियौ बोलौ। ए
यीशु तुम्कै कुछ बि चिन्ता ना नौथि!
आमु बौचाउ, आमैं मोरनै वाळै। तैबै
यीशुइ बिऊज़ियौ तुफान औज़ि पाणि
औड़काओ। औज़ि तुफान रुकौ
औज़ि तेत्कै बौड़ी शान्ति मिली।



तैबै यीशुइ आपडै चेलौउं आरि
बोलौ, कि तुमैं केलाइ रौयै डौरदै
लागी? का तुम्कै औज़ि बि बिश्वास
ना नौथि।



पर चेलै बौरी डौरी मौरै औज़ि बोल्दै
लागै। “एऊ कुण”? तुफान औज़ि
पाणि बि एसरी आज्ञा मानै। तैबै सै
यीशु रै साथै झील कौइ पारै डै।



थोड़ै दूस बासियै यीशुइ चेलौउं आरि
बोलौ। तुमैं नाउ दि बोशियौ मुँकौइ
औगौणिकै बेतसैदा बौज़ारेखि डैऔ।
तैबै यीशु प्राथना कौरदै डान्डै माइं
डैऔ।



तैबै यीशु कै डान्डै माइं बियाळकै
औइ गोऔ थौ। औज़ि सेज़ै बौक्तेदि
नाउ झील रै बिच्चे दि थी। नाउ पाणि
रै ज़ोकै कौइ रेकान्दि रौइ थी लागी,
केलाकि बागुर सेज़ी बाटि थी।



रात्ती रै पौरै दि यीशु पाणि माइं
आन्डियौ तिउंकाइ डैऔ। चेलै यीशुइ
पाणि माइं आन्डूदू बैरै देखियौ डौरी
मौरै। औज़ि चेलै बोल्दै लागै कि एऊ
तै बूत।



तैबै यीशुइ चेलौउं आरि बोलौ, कि
डौरियो ना आऊं। तैबै यीशु चेलौउं
काइ नाउ दि आओ। यीशु औज़ि
तेसरै चेलै तेत्कै कौइ पोरु डै।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे कि बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.